आकाशवाणी गोरखपुर

प्रादेशिक समाचार

दिनांक–06 जुलाई 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- फूलों की खेती करने वाले किसानों को मण्डी से बाहर फूल बेचने पर नहीं देना होगा शुल्क। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मण्डी परिषद के संचालक मण्डल की बैठक में लिया गया निर्णय।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं के लिये शुरू की दो नई तीर्थ यात्रा योजनाएं। प्रति श्रद्धालु न्यूनतम दस हजार रूपये अनुदान देगी सरकार।
- पौधरोपण महा अभियान के अन्तर्गत नौ जुलाई को प्रदेश में लगाये जायेंगे सैंतीस करोड़ पौधे। सभी गोशालाओं में होगी गोपाल वन की स्थापना।
- मुहर्रम की दसवीं तारीख यौमे आशूरा आज। ताजिया जुलूसों को लेकर प्रदेश भर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलों की खेती से जुड़े किसानों को बड़ी राहत देते हुए सभी प्रकार के फूलों को विनिर्दिष्ट कृषि उत्पाद की श्रेणी से हटाकर गैर विनिर्दिष्ट श्रेणी में रखने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। कल शाम उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद के संचालक मण्डल की बैठक में किये गये इस निर्णय के बाद अब फूलों की खेती करने वाले किसानों को मण्डी परिसर से बाहर व्यापार करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा जबकि मण्डी परिसर में उनसे मात्र प्रयोक्ता शुल्क ही लिया जायेगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने मण्डी परिषद की सभी प्रधान कृषि मण्डी स्थलों में शबरी कैंटीन स्थापित करने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने यह निर्देश भी दिये कि प्रदेश में आवश्यकता के अनुसार नई मण्डियों की स्थापना की जाय और इसके लिये पीपीपी मॉडल पर भी सम्भावनायें तलाशी जाएं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं के लिए 'बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना' और 'पंच तख्त यात्रा योजना' शुरू करने के निर्देश दिए हैं। प्रस्तावित योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10 हज़ार रुपए की धनराशि अनुदान के रूप में दी जाएगी। एक रिपोर्ट....

मुख्यमंत्री ने लखनऊ में हुई बैठक में कहा कि नई तीर्थ यात्रा योजना धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देगी, साथ ही एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को मूर्तरूप प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जाए। साथ ही श्रद्धालुओं के चयन में पारदर्शिता बरतते हुए कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जाए। दोनों ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह दोनों योजनाएं श्रद्धालु की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाये। आकाशवाणी समाचार कक्ष से दीपाली सिंह।

****

मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में राजस्व सम्बन्धी मामलों की आने वाली शिकायतों की जांच अब लेखपाल नहीं करेंगे। इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अपर मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने प्रदेश में सभी मण्डलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा है कि मुख्यमंत्री के जनता दर्शन में राजस्व संबंधी मामलों के प्राप्त प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के लिए अब नायब तहसीलदार या उससे ऊपर के अधिकारी ही जांच करेंगे।

****

प्रदेश में पौधरोपण महाअभियान–दो हजार पचीस के तहत नौ जुलाई को एक दिन में सैंतीस करोड़ पौधे लगाए जायेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जालौन में बुंदेलखंड एक्सप्रेस के निकट पौधरोपण कर इस अभियान की शुरूआत करेंगे। इसे लेकर पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री डा. अरूण कुमार सक्सेना ने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। वहीं मुख्य सचिव ने भी सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक में अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। पौधरोपण महा अभियान में प्रदेश की सभी गोशालाओं में गोपाल वन की स्थापना भी की जायेगी। सरकार की तरफ से गोशाला में छायादार और चारा प्रजाति के पौधे लगाने के निर्देश दिये गये हैं।

****

प्रदेशभर में वृक्षारोपण कार्यक्रम वृहद स्तर पर आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में शाहजहांपुर के न्यू ककरा सिटी में प्रदेश के वित्त और संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कल एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाते हुए कहा कि पौधा लगाने के साथ ही उसे जीवित और सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

इस पूरे महीने वृक्षारोपण का अभियान चलाने की बात कही है और नौ तारीक से विशेष रुप से इसका अभियान चलने वाला है और हम समझते हैं ओवर ऑल जिस लेबल पर कटान हुआ, उससे अधिक मात्रा में कटान हुआ, उससे अधिक मात्रा में वृक्षारोपण होना चाहिए और इससे दूरगामी इसके परिणाम निकलते हैं। वृक्ष हमको साया भी देता है, फल भी देता है, हरियाली का माहौल देता है और हर तरह से एंवायर्मेंटल वाइलेंस लागू करने में हमको बहुत बड़ा इसमें सहयोग मिलता है वृक्षारोपण के माध्यम से हमारा सभी लोगों से आग्रह है, सुरक्षित स्थान पर जो कवर्ड एरिया हो, उस स्थान पर वृक्षारोपण करें और उसको जीवित रखने के भी चेष्टा रखें। एक पेड़ अपने मां के नाम से लगाएं।

शामली, हापुड़, मऊ, अम्बेडकर नगर सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में पौधरोपण किया गया और लोगों को संकल्प दिलाया गया। पौधरोपण अभियान के तहत महराजगंज जिले में लुप्तप्राय छोटी रोहिन नदी को पुनर्जीवित करने के लिये नौतनवां के विधायक ऋषि त्रिपाठी और जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा के नेतृत्व में पौधरोपण किया गया। नदी को पुनर्जीवित करने के लिये इसके किनारे पौधरोपण के साथ नदी की सफाई भी करायी जायेगी।

****

देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार कल एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने फिरोजाबाद पहुंचे। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि चुनाव आयोग राजनीतिक पार्टियों के साथ लगातार संवाद करता रहता है। पिछले चार महीनों में राजनीतिक दलों की राज्य और जिला स्तर पर करीब पांच सौ बैठकें हुईं है। वहीं बिहार की मतदाता सूची में विसंगतियों के कांग्रेस के आरोपों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि कानून के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले मतदाता सूची का पुनरीक्षण करना आवश्यक होता है।

बिहार में 2003 को मतदाता सूची का गहन परिशोधन हुआ था। उस समय जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में आया था उनकी पात्रता की जाच की गई। इस तरह का गहन परिक्षण बिहार में 1 जनवरी 2003 के बाद नहीं हुआ। सामान्य परिक्षण होते रहे। पिछले कुछ चुनावों के बाद चुनाव आयोग ने निर्णय किया था कि वो राजनीतिक दलों से लगातार समन्वय स्थापित करेगा। इसी तरम में लगभग हर राजनीतिक पार्टी ने मतदाता सूची को अशुद्ध होने का शिकायत की। इसलिए इस बार बिहार में एक महीने के अंदर जुलाई से अगस्त के बीच में मतगणना फॉर्म बांटे जाएंगे और वापस भी लिए जाएंगे। यह कार्य बहुत सुचारू से चल रहा है।

****

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन अयोध्या कैंट से आनंद विहार वाया लखनऊ चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस में आठ जुलाई से चार चेयर कार बोगियां बढ़ाएगा। उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी ने बताया कि ट्रेन अब 16 की जगह 20 बोगियों के साथ चलेगी।

****

मुहर्रम की दसवीं तारीख यानी यौमे आशूरा पर आज प्रदेश भर में ताजिया जुलूस निकाले जा रहे हैं। यह दिन पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में मनाया जाता है। दसवीं मुहर्रम के जुलूसों को लेकर प्रदेश भर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। कई शहरों में यातायात व्यवस्था में भी बदलाव किये गये हैं। आज जुलूसों के सम्पन्न होने के बाद ताजियों को कर्बला में दफ्न कर दिया जायेगा। गोरखपुर में इमामबाड़ा स्टेट से दसवीं मुहर्रम पर निकलने वाले शाही जुलूस को देखने के लिये आसपास के जिलों से भी लोग पहुंचे हैं। एक रिपोर्ट–

सुबह साढ़े नौ बजे से इमामबाड़ा स्टेट से शाही जुलूस निकलेगा। इसको लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी व्यवस्था की गयी है। रूटडायवर्जन किया गया है जिससे जुलूस मार्ग पर किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। इसके पहले शनिवार रात में भी मुहर्रम की नौवीं का जुलूस निकाला गया, जिसमें कलाकारों ने कर्तब दिखाये। आकाशवाणी समाचार के लिये गिरीश नारायण चौबे गोरखपुर।

इसके पहले कल मुहर्रम की नौवीं तारीख पर भी प्रदेश भर में जुलूस निकाले गये। लखनऊ में आलमे– शबे–आशूरा का जुलूस देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग उमड़े। जुलूस कल रात नौ बजे विक्टोरिया स्ट्रीट स्थित नाजिम साहब के इमामबाड़े से शुरू हुआ। वहीं अमरोहा में हिन्दू–मुस्लिम एकता का प्रतीक जोड़ियों का मातमी जुलूस श्रद्धा के साथ निकाला गया।

****

प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी जिलों में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों के लिये गरज चमक के साथ बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। बारिश के चलते कुछ जिलों में नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। बदायूं में गंगा और लखीमपुर खीरी के पलियाकलां में शारदा नदी खतरे के निशान से आधा मीटर नीचे बह रही है।

****